CBSE कक्षा 12 उपभोक्ता का व्यवहार और माँग
अर्थशास्त्र महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

---

1 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. किसी वस्तु को सामान्य वस्तु कब कहा जाता है?

उत्तर- जिस वस्तु का आय प्रभाव धनात्मक हो तथा कीमत प्रभाव ऋणात्मक हो, उसे सामान्य वस्तु कहते हैं।

प्र. 2. किसी वस्तु को निकृष्ट वस्तु कब कहा जाता है?

उत्तर- जिस वस्तु का आय प्रभाव ऋणात्मक हो, उसे निकष्ट वस्तु कहा जाता है।

प्र. 3. पानी की माँग बेलोचदार क्यों होती है?

उत्तर- क्योंकि पानी एक अनिवार्य वस्तु है।

प्र. 4. बाजार माँग को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- बाजार माँग से अभिप्राय किसी वस्तु की उन मात्राओं के योग से जिन्हें बाजार के सभी उपभोक्ता एक निश्चित समयावधि में वस्तु की विभिन्न कीमतों पर खरीदने के इच्छुक हैं, योग्य हैं व तैयार हैं।

प्र. 5. सीमांत प्रतिस्थापन दर (MRS) से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- समान संतुष्टी स्तर बनाए रखते हुए, उपभोक्ता एक वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई का उपभोग करने हेतु दूसरी वस्तु Y की जितनी इकाईयों का त्याग करने के लिए तैयार होता है, उसके अनुपात को सीमांत प्रतिस्थापन दर कहते हैं।

प्र. 6. एकदिष्ट अधिमान से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- एकदिष्ट अधिमान से अभिप्राय है कि उपभोक्ता दो बंडलों के मध्य उस बंडल को प्राथमिकता देता है, जिसमें दूसरे बंडल की तुलना में कम-से-कम वस्तु की अधिक मात्रा होती है और दूसरी वस्तु की मात्रा कम नहीं होती है।

प्र. 7. बजट रेखा का समीकरण लिखिए।

उत्तर- $M = Px . X + Py . Y$

प्र. 8. बजट सेट का समीकरण लिखिए।

उत्तर- $Px . X + Py . Y \leqslant M$

3-4 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. माँग में वृद्धि एवं वस्तु की माँग मात्रा में वृद्धि में भेद कीजिए।

उत्तर- किसी वस्तु की कीमत स्थिर रहने पर अन्य कारकों में परिवर्तन के कारण जब माँग बढ़ती है तो उसे माँग में वृद्धि कहते हैं। इसके विपरीत अन्य बातें समान रहने पर जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के कारण उसकी माँग बढ़ती है तो उसे माँग मात्रा में वृद्धि कहते हैं।

प्र . 2. एक वस्तु की दी गई कीमत पर एक उपभोक्ता यह निर्णय कैसे लेता है कि वह उस वस्तु की कितनी मात्रा खरीदे?

उत्तर- उपभोक्ता एक वस्तु की इतनी मात्रा खरीदता है जिस पर सीमान्त उपयोगिता कीमत के बराबर हो। जब तक सीमान्त उपयोगिता कीमत से अधिक होती है वह वस्तु को खरीदता रहता है। जैसे-जैसे वह अधिक इकाई खरीदता है सीमान्त उपयोगिता घटती जाती है और एक स्थिति ऐसी आती है जहाँ सीमान्त उपयोगिता कीमत के बराबर हो जाती है। उपभोक्ता इस स्थिति तक ही वस्तु खरीदेगा।

प्र. 3. एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं x और y का उपभोग करता है। उपयोगिता विश्लेषण की सहायता से उपभोक्ता संतुलन की शर्तें बताइए और उनकी व्याख्या कीजिए।

उत्तर- उपभोक्ता के संतुलन की दो शर्तें हैं :

1. $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$ Or $\frac{MU_x}{MU_y} = \frac{P_x}{P_y}$
   यदि $\frac{MU_x}{P_x} > \frac{MU_y}{P_y}$ तो उपभोक्ता संतुलन की स्थिति में नहीं होगा क्योंकि वह x की अधिक मात्रा और y की कम मात्रा खरीद कर कुल उपयोगिता बढ़ा सकता है। इसी प्रकार $\frac{MU_x}{P_x} < \frac{MU_y}{P_y}$ है तो सन्तुलन की स्थिति नहीं है, क्योंकि वह x की कम y की अधिक मात्रा खरीदकर कुल उपयोगिता बढ़ा सकता है।
2. वस्तु की अधिक इकाईयों का उपयोग करने पर उसकी सीमान्त उपयोगिता घटती है। यदि ऐसा न हो तो या तो उपभोक्ता केवल एक ही वस्तु खरीदेगा जो अवास्तविक है या वह कभी सन्तुलन की स्थिति में नहीं पहुँचेगा।

प्र. 4. समझाइए कि किसी वस्तु की माँग उसकी सम्बन्धित वस्तुओं की कीमतों से कैसे प्रभावित होती है। उदाहरण दीजिए।

उत्तर- सम्बन्धित वस्तुएँ दो प्रकार की होती है–

1. **प्रतिस्थापन्न वस्तु :** जब प्रतिस्थापन वस्तु की कीमत घटती है तो वह दी हुई वस्तु की तुलना में सस्ती हो जाती है इसलिए उपभोक्ता इसे दी हुई वस्तु के स्थान पर प्रतिस्थापित करता है इससे दी हुई वस्तु की माँग घटती जाएगी। इसी प्रकार

प्रतिस्थापन वस्तु की कीमत बढ़ने से दी हुई वस्तु की माँग बढ़ जाएगी।
उदाहरण : चाय और कॉफी आदि।

2. **पूरक वस्तुएँ :** जब पूरक वस्तु की कीमत घटती है तो उसकी माँग बढ़ जाती है और उसके साथ दी हुई वस्तु की माँग भी बढ़ जाती है। इसी प्रकार जब पूरक वस्तु की कीमत बढ़ती है तो साथ दी हुई वस्तु की माँग घट जाती है।
उदाहरण : कार तथा पेट्रोल आदि।

प्र. 5. सामान्य वस्तु और घटिया वस्तु को बीच अन्तर बताइए। प्रत्येक का उदाहरण दीजिए।

उत्तर- सामान्य वस्तु और घटिया वस्तु को बीच अन्तर निम्नलिखित है-

- **सामान्य वस्तुएँ :** सामान्य वस्तुएँ उन वस्तुओं को कहते हैं जिनकी माँग क्रेताओं की आय के बढ़ने पर बढ़ती है। अतः आय और माँग में धनात्मक सम्बन्ध पाया जाता है अथवा आय प्रभाव धनात्मक होता है।
- **घटिया वस्तुएँ (निम्नकोटि वस्तुएँ) :** घटिया (निम्नकोटि) वस्तुएँ उन वस्तुओं को कहते हैं जिनकी माँग क्रेताओं की आय के बढ़ने पर घटती है अतः आय और माँग में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया जाता है।
उदाहरण : मोटा अनाज तथा मोटा कपड़ा

प्र. 6. माँग की कीमत लोच की प्रभावित करने वाले किन्हीं चार कारकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- माँग की कीमत लोच की प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है-

1. **वस्तु की प्रकृति :** अनिवार्य वस्तुएँ, जैसे नमक, जीवन रक्षक दवाएँ आदि की माँग बेलोचदार होती है तथा विलासिता की वस्तुओं की माँग लोचदार होती है।
2. **प्रतिस्थापन्न वस्तुओं की उपलब्धता :** ऐसी वस्तुएँ जिनके निकटतम स्थापन्न उपलब्ध होते हैं, उनकी माँग अधिक लोचदार होती है तथा जिन वस्तुओं के प्रतिस्थापन नहीं होते उनकी माँग उपेक्षाकृत बेलोचदार होती है।
3. **उपयोग में विविधता :** जिन वस्तुओं के विभिन्न उपयोग होते हैं उनकी माँग अधिक लोचदार होती है। उदाहरण के लिए बिजली के विभिन्न उपयोग।
4. **उपभोक्ता की आदत :** उपभोक्ताओं को जिन वस्तुओं के उपभोग की आदत पड़ जाती है उनकी माँग बेलोचदार होती है।
उदाहरण : शराब, सिगरेट।

प्र. 7. कुल उपयोगिता तथा सीमान्त उपयोगिता के बीच सम्बन्ध समझाइए। तालिका का प्रयोग कीजिए।

उत्तर-

मात्रा (इकाइयाँ)	कुल उपयोगिता (युटिल्स)	सीमान्त उपयोगिता (यूटिल्स)
0	0	-
1	8	8

2	14	6
3	18	4
4	20	2
5	20	0
6	18	-2

तालिका से स्पष्ट है-

1. जब तक सीमान्त उपयोगिता धनात्मक और घटती है कुल उपयोगिता बढ़ती है।
2. जब सीमान्त उपयोगिता शून्य होती है तब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है।
3. जब सीमान्त उपयोगिता ऋणात्मक होती है, तब कुल उपयोगिता घटना शुरु हो जाती है।

प्र. 8. सीमान्त उपयोगिता की परिभाषा दीजिए। ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम बताइए।

उत्तर- सीमान्त उपयोगिता : वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई को उपभोग से कुल उपयोगिता में जो वृद्धि होती है, उसे सीमान्त उपयोगिता कहते हैं।

ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम : ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम यह बताता है कि उपभोक्ता जैसे-जैसे किसी वस्तु की अधिक मात्रा का उपभोग करता है वैसे-वैसे उस वस्तु की सीमान्त उपयोगिता घटती जाती है इस नियम के अनुसार कुल उपयोगिता घटती दर से बढ़ती है तथा सीमान्त उपयोगिता घटती है।

6 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. अनधिमान वक्र की तीन विशेषताएँ समझाइए।

उत्तर- अनधिमान वक्रों की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. **इनका ढलान बाएँ से दाएँ नीचे की ओर होता है-** एक वस्तु की इकाइयों का अधिक उपभोग करने के लिए दूसरी वस्तु की कुछ इकाइयों का त्याग करना पड़ता है ताकि संतुष्टि स्तर वही रहे।
2. **मूल बिन्दु की ओर उत्तल (उन्नतोदर) हाती है-** ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता के नियम के कारण सीमान्त प्रतिस्थापन दर निरन्तर घटती है।
3. **ऊँचा अनधिमान वक्र अधिक उपयोगिता दर्शाता है-** ऊँचा अनधिमान वक्र वस्तुओं के बड़े बंडलों को दर्शाता है। इसका अर्थ है अधिक उपयोगिता, एकदिष्ट अधिमान को नियम को कारण।

प्र.2. अनधिमान वक्र विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता सन्तुलन की शर्तें समझाइए। रेखाचित्र का प्रयोग कीजिए।

उत्तर- उपभोक्ता के सन्तुलन की दो शर्तें हैं-

i. सीमान्त प्रतिस्थापन दर = कीमतों का अनुपात (MRS = Px/Py)
ii. सीमान्त प्रतिस्थापन दर निरन्तर घटती है।

व्याख्या :

i. मान लीजिए दो वस्तुएँ x तथा y है। उपभोक्ता के सन्तुलन की पहली शर्त है कि $MRS = \frac{Px}{Py}$.
   यदि MRS > Px/Py है तो इसका अर्थ है कि उपभोक्ता x वस्तु की बाजार में जो कीमत है उसमें अधिक देने को तैयार हैं अतः वह X की अधिक मात्रा खरीदेगा। इससे MRS घटेगी और ऐसा तब तक होता रहेगा जब तक कि MRS = Px/Py.
   यदि $MRS < \frac{Px}{Py}$ है तो इसका अर्थ है कि उपभोक्ता x वस्तु की बाजार में जो कीमत है उससे कम देने की तैयार है अतः वह x की कम मात्रा खरीदेगा। इससे MRS बढ़ेगी और ऐसा तब तक होता रहेगा जब तक कि $MRS = \frac{Px}{Py}$.
ii. सीमान्त प्रतिस्थापन दर निरन्तर घटेगी जब तक कि सन्तुलन की स्थिति स्थापित नहीं हो जाती।

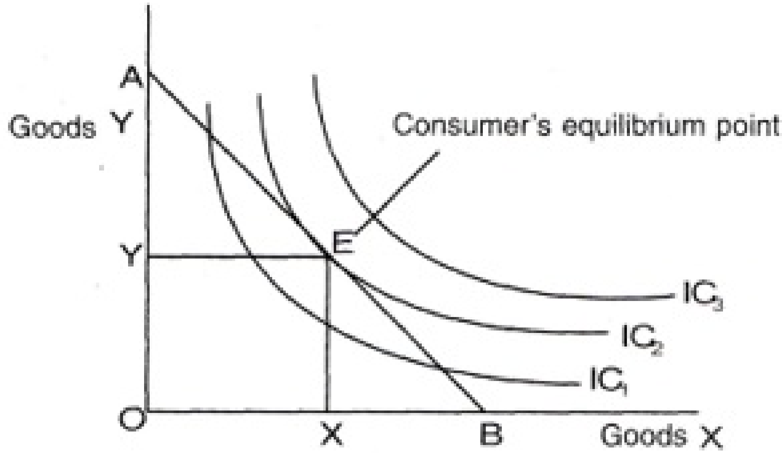

प्र. 3. उपभोक्ता की आय में परिवर्तन होने से वस्तु की माँग पर पड़ने वाले प्रभाव की चित्र सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर- उपभोक्ता की आय में परिवर्तन के प्रभाव को दो श्रेणियों में विभाजित करके निम्न प्रकार समझा जा सकता है।

1. **सामान्य वस्तु :** सामान्य वस्तुएँ वे वस्तुएँ होती हैं, जिन पर आय प्रभाव धनात्मक एवं कीमत प्रभाव ऋणात्मक होता है। यदि उपभोक्ता की आय में वृद्धि होती है तो इनकी माँग बढ़ जाती है। इसके विपरीत यदि आय में कमी होती है तो उसकी माँग में कमी हो जाती है।
2. **निम्नकोटि वस्तुएँ :** ये वे वस्तुएँ होती है जिन पर आय प्रभाव ऋणात्मक एवं कीमत प्रभाव धनात्मक होता है। यदि उपभोक्ता की आय में वृद्धि होती है तो इन वस्तुओं की माँग कम हो जाती है। इसकी विपरीत यदि उपभोक्ता की आय में कमी होती है तो इनकी माँग बढ़ जाती है।

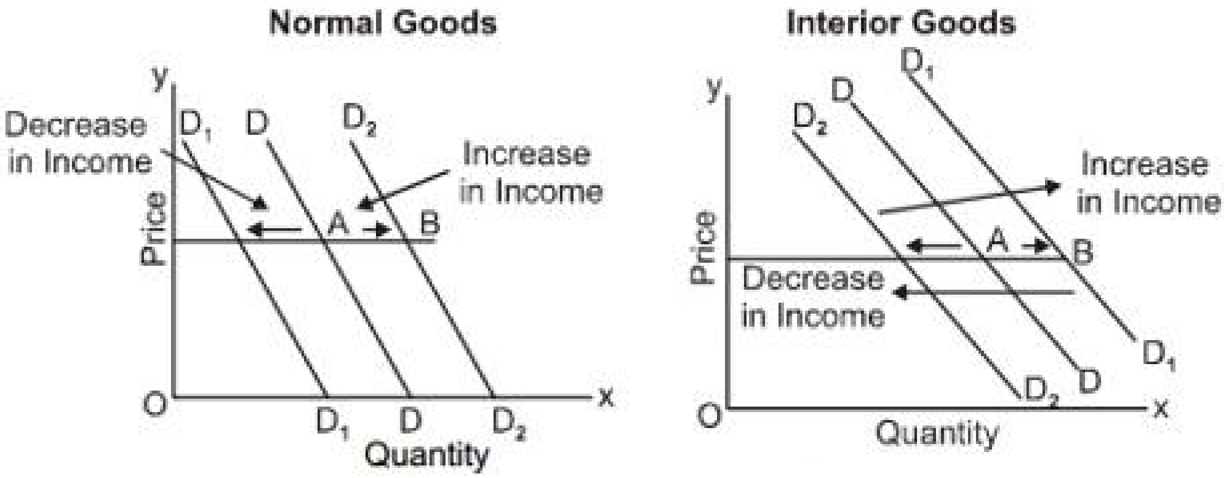

प्र. 4. माँग वक्र का ढलान ऋणात्मक क्यों होता है? कारण बताइये-

उत्तर- माँग वक्र के ऋणात्मक ढ़ाल होने के निम्नलिखित कारण हैं-

1. **ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम :** इस नियम को अनुसार प्रत्येक अगली इकाई का प्रयोग करने से मिलने वाली सीमान्त उपयोगिता क्रमशः घटती चली जाती है, इसलिए प्रत्येक अगली इकाई को खरीदने के लिए उपभोक्ता कम कीमत देने को तैयार होता है।

2. **आय प्रभाव :** वस्तु की कीमत के कम होने के कारण क्रेता की वास्तविक आय बढ़ जाती है। वास्तविक आय बढ़ने से वस्तु की माँग में वृद्धि होती है।
3. **प्रतिस्थापन प्रभाव :** एक वस्तु की कीमत को कम होने को कारण एक वस्तु दूसरी वस्तु की तुलना में सस्ती हो जाती है तथा उपभोक्ता उसका प्रतिस्थापन दूसरी वस्तु से करता है। जैसे चाय की कीमत कम होने पर उसका कॉफी के स्थान पर प्रतिस्थापन किया जाता है।
4. **उपभोक्ता समूह का आकार :** किसी वस्तु की कीमत के कम होने पर जो उपभोक्ता उस वस्तु को नहीं खरीद रहे थे, अब उस वस्तु को खरीदने में सक्षम हो जाते हैं जिससे उसकी माँग में वृद्धि होती है।
5. **विभिन्न प्रयोग:** एक वस्तु के विभिन्न प्रयोग होते हैं। वस्तु सस्ती होने पर उसकी माँग बढ़ जाती है क्योंकि विभिन्न प्रयोगों में उसका इस्तेमाल किया जा सकता है जैसे दूध की कीमत कम होने पर इसकी माँग बढ़ेगी।

प्र. 5. एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं x और y का उपयोग करता है। दोनों की बाजार कीमत 3 रु प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता इन दो वस्तुओं के ऐसे संयोग का चुनाव करता है। जिसकी सीमान्त प्रतिस्थापन दर 3 है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है? कारण दीजिए। ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा? समझाइये।

उत्तर- Given Px = 3, Py = 3 और MRS = 3, एक उपभोक्ता संतुलन में तब कहा जायेगा जब- $MRS = \frac{Px}{Py}$ मूल्यों को प्रतिस्थापत करने पर $3 > \frac{3}{3}$
इसलिए उपभोक्ता संतुलन में नहीं है। $MRS > \frac{Px}{Py}$ का अर्थ है कि उपभोक्ता x वस्तु की एक और इकाई खरीदने के लिए तैयार है-

- उपभोक्ता X वस्तु की अधिक इकाईयाँ खरीदे$\frac{5}{4} > \frac{4}{5}\ or\ \frac{MUx}{Px} > \frac{MUy}{Py}$गा।
- ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम को कारण सीमान्त प्रतिस्थापन दर घटेगी।
- और यह प्रक्रिया तब तक जरी रहेगी जब तक हैं $MRS = \frac{Px}{Py}$ न हो जाए और इस प्रकार उपभोक्ता संतुलन में आ जायेगा।

प्र. 6. एक उपभोक्ता दो वस्तुओं x तथा y का उपभोग करता है जिनकी कीमत क्रमशः 4 रु. और 5 रु. प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता दोनों वस्तुओं का ऐसा संयोग चुनता है जिसमें x की सीमान्त उपयोगिता 5 और 4 की सीमान्त उपयोगिता 4 है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है। कारण दीजिए। ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा? उपयोगिता विश्लेषण का उपयोग कीजिए।

उत्तर- Given Px = 4, Py = 5 और Mux, MUy, एक उपभोक्ता $\frac{MUx}{Px} = \frac{MUy}{Py}$ होने पर संतुलन में होगा। मूल्यों को प्रतिस्थापित करने पर $\frac{5}{4} > \frac{4}{5}\ or\ \frac{MUx}{Px} > \frac{MUy}{Py}$ प्रति इकाई रू. की Mux, प्रति रू. MUy की सीमान्त उपभोगिता से ज्यादा है। इसलिए उपभोक्ता संतुलन में नहीं है।
उपभोक्ता x वस्तु की अधिक तथा y वस्तु की कम इकाईयाँ खरीदेगा। इसलिए MUx कम होगा तथा MUy बढ़ेगा जब तक की $\frac{MUx}{Px}$ तथा $\frac{MUy}{Py}$ बराबर नहीं हो जाता।